

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का स्वप्न था कि देश में शिक्षा का स्तर इतना बढ़ाया जाए कि संपूर्ण विश्व हमें सलाम करें और हम विश्व गुरु बने। एक ऐसा भारत बने जो कृषि, विज्ञान और उद्योग के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर हो।

उन्होंने इस सपने को पूर्ण करने में अपने पूरे जीवन की आहूति दे दी। वे हमारे समक्ष भारत 2020 जैसा लक्ष्य रख गये और अब यही वह समय है जब हम घड़ी के हर एक कौंटे का सदुपयोग करें और उनके स्वप्न को एक नया मुकाम दे। हमारे देश का युवा वर्ग न जाने किस राह जा रहा है और ऐसे समय में अगर हमने अहम कदम उठाकर कार्य नहीं किया तो फिर यह अनमोल समय कभी वापस नहीं आयेगा। मैं अपने संस्था के सभी सदस्यों को धन्यवाद कहना चाहूंगा कि वह अपनी उर्जा को देश सेवा में लगा रहे हैं एवं अपने किमती समय को बच्चों पर खर्च कर रहे हैं।

दिशांजली → एक प्रयास, एक अलख

बदलते भारत की ओर

विजय कुमार पाटीदार